आज की मुरली का सहज सार ---------- Date: 15-07-14

बाबा ने आज बच्चों को बार-बार अपने को सिविल-आइज्ड बनने को कहा. जो यहॉ सिविल-आइज्ड बनेगा वही अन्त में कर्मातीत बनेंगे और सतयुग में बहुत ऊंच पद प्राप्त करेंगे.

बाबा ने समझाया की कलयुगी मनुष्यों हैं विशश क्रिमिनल-आइज्ड और देवतायें हैं वाइसलेस, सिविल-आइज्ड. अभी बाबा हम ब्राह्मण बच्चों को बना रहे हैं सिविल-आइज्ड. जब हम सिविल-आइज्ड बन जायेंगे तब हमारी कर्मातीत अवस्था होगी.

बाबा ने आगे बताया, कैसे हम सिविल-आइज्ड बन सकते हैं.

- सबसे पहले हमें प्रैक्टिस करनी हैं एक-दूसरे के साथ आत्मा भाई-भाई की वृति और दृष्टि रखने की. जैसे बाबा ने कहा, आत्मा, आत्मा को देखती हैं, शरीर तो रहते ही नहीं तो क्रिमिनल-आइज्ड कैसे होंगे इसलिए बाप कहते हैं अपने को बहन-भाई के भान से निकालते जाओ. आत्मा भाई-भाई समझो. एक-दूसरे के प्रति रुहानी ब्रदर्ली लव रखना हैं.

- जितना हम अपने को आत्मा समझकर एक-दूसरे के साथ व्यवहार में आयेंगे, शरीर का भान भुलता जायेगा उतना ही बाबा की याद भी हमारे में पक्की होती जायेगी. फिर यह शरीर भी आत्मा को पवित्र बनाने वाले बाबा की याद में छूट जायेगा.

- स्वयं में रही खामी को मिटाने के लिए, हमें अपना रजिस्टर जरूर रखना हैं. रजिस्टर जब रखेंगे तब खामी का भी मालूम पड़ेगा. बाबा के साथ योग से हमें अपनी खामीओ को एक-एक करके निकालना ही हैं.

- बाबा ने कहा, तुम्हारी अवस्था ऐसी चाहिए जो और कोई की याद नहीं आये. हम आत्मा बिना शरीर के आई, अब अशरीरी बनकर जाना हैं. कोई भी चीज में ममत्व नहीं रखना हैं. कुछ भी याद न आये सिवाय बाप के.

- हरेक को कमसे कम 6 घण्टा यज्ञ सेवा जरूर करनी चाहिए. बाबा ने कहा वैसे तो गवर्मेन्ट की सर्विस 8 घण्टा होती हैं परन्तु पाण्डव गवर्मेन्ट की सर्विस कम से कम 5-6 घण्टा जरूर करो. बच्चों को अपनी अवस्था उपराम बनानी हैं.

- किसको भी अपने मन-वचन-कर्म से दुख नहीं देना हैं. सबको सुख देना हैं और सुखी होने का रास्ता बताना हैं.

- यज्ञ सेवा का कोई भी श्रेष्ठ कर्म आज ही कर देना हैं. आज के काम को कल पर नहीं छोड़ना हैं.

बाबा ने अन्त में समझाते हुए कहा - मीठे बच्चे, तुम देवी-देवता स्वर्ग के मालिक बनना चाहते हो तो बहुत-बहुत सिविल-आइज्ड बनो.

ॐ शांति.

Please provide your feedback to Atma Bhai on email - a.brahmin.soul@gmail.com.